चाहिए. आवेदन करने के लिए 10वीं आवेदन करना है.

सकी. विधायक सरयू राय ने अपर कोई भूमिका भी

देश भर से पहुंचे इंजीनियरों ने शहर और आसपास की सड़कों को करीब से देखा

गालूडीह में चार साल पूर्व स्लैग से बनी सड़क की मजबूती ने किया प्रभावित

आइबीएमडी में स्टील प्रोसेसिंग के बाद तैयार स्लैग मटेरियल की 13 पारामीटर पर होती है टेस्टिंग

प्रमुख संवाददाता, जमशेदपुर

स्लैग से बनी सड़कों को देखने निकली इंजीनियरों की टीम.

स्टील के वेस्ट मटेरियल स्लैग से बनी सड़कों को देखने के लिए देश भर के 14 राज्यों के प्रतिनिधि पहुंचे हुए हैं. बुधवार को प्रतिनिधियों ने जमशेदपुर व आसपास बनायी गयी सड़कों को देखा. नेशनल रूरल रोड्स डेवलपमेंट एजेंसी (एनआरआरडीए) के संयुक्त निदेशक नवनीत कुमार, सहायक निदेशक रंजना सैनी, झारखंड स्टेट रोड डेवलपमेंट अथॉरिटी के अधीक्षण अभियंता आइएम चौधरी, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर सुबोध पासवान, ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता राजेश रजक समेत अन्य लोगों ने सड़कों की स्थिति देखी. सबसे पहले बड़ाबांकी में स्लैग से बन रही सड़क का काम देखा. इस दौरान स्लैग के इस्तेमाल को नजदीक से देखा. टीम ने गालूडीह में बनी सड़क को भी देखा, जिसको चार साल पहले बनायी गयी थी. टीम के इंजीनियर स्लैग से बनी सड़क की मजबूती से प्रभावित हुए. दोपहर बाद टीम के लोगों ने टाटा स्टील के आइबीएमडी में स्टील प्रोसेसिंग के बाद तैयार हो रहे स्लैग मटेरियल को देखा. किस तरह 13 पारामीटर पर इसकी टेस्टिंग की जाती है. इस दौरान आइबीएमडी के इआइसी समेत अन्य पदाधिकारियों ने प्रोसेस की जानकारी दी. इस दौरान देश में हो रहे बदलाव और उसमें कैसे भूमिका निभायी जा सकती है, इसके बारे में भी जानकारी दी गयी.

किन-किन राज्यों से आये हैं प्रतिनिधि : बिहार, बंगाल, ओडिशा, उत्तराखंड, तमिलनाडु, असम, तेलंगाना, मिजोरम, गुजरात, लद्दाख, कर्नाटक व महाराष्ट्र.

दैनिक भास्कर जमशेदपुर 28-11-2023

जमशेदपुर फ्रंट पेज

सूर्यास्त (मंगलवार) 4.59 बजे | सूर्योदय (बुधवार) 6.07 बजे

मंगलवार, 28 नवंबर, 2023

रोल मॉडल • टाटा स्टील से निकलनेवाले वेस्ट से बनाई जा रही सड़क की तकनीक व गुणवत्ता जानने 28 व 29 नवंबर को देश भर के अभियंता जुटेंगे

जिले में स्टील स्लैग से बन रही सड़क को देखने आएंगे दूसरे राज्यों के इंजीनियर

▪ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई जानेवाली सड़क में किया जा सकता है इस्तेमाल

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

टाटा स्टील का वेस्ट माने जाने वाला एलडी (स्टील) स्लैग से जिले में बन रही सड़क देश भर के इंजीनियरों के लिए रोल मॉडल बन गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जिला में 21 सड़कों का निर्माण कराया जा रहा, जिनकी कुल लंबाई करीब 280 किलोमीटर है। इन्हीं सड़कों का अध्ययन करने के लिए 28-29 नवंबर को देश भर के इंजीनियर जमशेदपुर में इकट्ठा हो रहे हैं। जिला में सड़कों के निर्माण में पहले से पत्थर के चिप्स (गिट्टी) के बजाए टाटा स्टील के एलडी स्लैग का उपयोग किया जा रहा है। सड़कों के निर्माण में गिट्टी के बजाय एलडी स्लैग का उपयोग किए जाने से लागत मूल्य कम से कम 30 प्रतिशत कम हो जाता है। केंद्र सरकार व संयुक्त राष्ट्र संघ ने पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचे इसके लिए मिशन लाइफ नामक अभियान शुरू किया है। अभियान में पर्यावरण का संरक्षण करना है। सड़कों के निर्माण में कम से कम पत्थर का उपयोग किया जाएगा। पत्थर का उपयोग कम किए जाने पर पहाड़ बचेंगे, जिससे पर्यावरण संतुलित रहेगा।

अध्ययन दल गालूडीह स्थित एलडी स्लैग प्रोसेसिंग प्लांट का निरीक्षण करेगा

दूसरे राज्यों से आनेवाली अभियंताओं की टीम की अगुवाई की जिम्मेदारी ग्राम्य अभियंत्र संगठन(आरईओ) को सौंपी गई है। आरईओ से सबसे ज्यादा एलडी स्लैग का उपयोग सड़कों के निर्माण में कर रहा है। आरईओ के कार्यपालक अभियंता राजेश रजक ने बताया कि अध्ययन दल को गालूडीह में स्थित टाटा स्टील के एलडी स्लैग प्रोसेसिंग प्लांट का निरीक्षण कराया जाएगा। एलडी स्लैग से बन रही सड़कों की भी अध्ययन दल निरीक्षण कर तकनीक का अध्ययन करेगा। एलडी स्लैग का उपयोग कर पूर्व में बनाए गए सड़कों का निरीक्षण करेगी। जिला मुख्यालय में एक सेमिनार का आयोजन कर एलडी स्लैग के उपयोग के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

पोटका में स्लैग से बनाई गई सड़क।

पहले स्लैग-फ्लाइएश खपाने में कंपनी को करनी पड़ती थी मशक्कत

प्लांट से निकलने वाले फ्लाइएश को खपाने में प्रबंधन को काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। अब इनका इस्तेमाल सड़कों के निर्माण में किया जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी आफ इंडिया पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर इससे सड़कों का निर्माण करा रही है। मालगाड़ी से फ्लाइएश को सड़क के निर्माण स्थल तक पहुंचाया जा रहा है। पिछले दिनों शहर में आए परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि टाटा स्टील से निकलने वाले स्लैग व फ्लाइएश अगर कंपनी उपलब्ध कराती है तो उसका उपयोग सड़कों के निर्माण में किया जाएगा।

भास्कर Exclusive • शहर के 50 हजार टन से अधिक कचरे के ट्रीटमेंट का काम नहीं शुरू हो पाया

एनएसीएलटी में केबल कंपनी के

जमशेदपुर में 28 और 29 नवंबर को अंतरराज्यीय कार्यक्रम

स्टील स्लैग मिला बनेंगी सड़कें, 14 राज्यों के इंजीनियर तकनीक पर करेंगे मंथन

मुख्य संवाददाता, जमशेदपुर

पर्यावरण संरक्षण व ग्रीन प्रोजेक्ट के तहत रोड निर्माण को लेकर शहर में 28 व 29 नवंबर को अंतरराज्यीय कार्यक्रम होगा. इसमें स्टील स्लैग से बनने वाली सड़क की तकनीक पर मंथन होगा. इस तकनीक से पूर्वी सिंहभूम जिले में कुल 21 सड़कों का निर्माण होगा. सड़क निर्माण का शुभारंभ 28 नवंबर को बिष्टुपुर यूनाइटेड क्लब में सुबह ग्यारह बजे से होगा. इसमें भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के डायरेक्टर रंजना सैनी समेत 14 राज्यों के इंजीनियर बतौर डेलीगेट, टाटा स्टील व अन्य कंपनियों के पदाधिकारी शामिल होंगे.

जिले में सड़क निर्माण में पत्थर का इस्तेमाल कम करने व इको फ्रेंडली बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षित करने के उद्देश्य से रोड में स्टील स्लैग मिलाकर निर्माण किया जायेगा.

राजेश रजक, कार्यपालक अभियंता, आरइओ, पूर्वी सिंहभूम.